No. of Printed Pages : 4

MMDE-072

00452

M.Ed. SPECIAL EDUCATION-VISUAL IMPAIRMENT (MEDSEVI)

Term-End Examination

June, 2018

MMDE-072 : CURRICULUM AND TEACHING STRATEGIES FOR CHILDREN WITH VISUAL IMPAIRMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *Part - A and Part - B are compulsory.*

PART - A

Write short notes on **any three** of the following questions. Each question carries **5** marks.

1. How as a teacher of visually impaired children, you will distinguish between good and poor Braille reader ? 5

2. How can community help in the rehabilitation of persons with visual impairment ? 5

3. What is the difference between guidance and counselling ? Why these are important for persons with visual impairment ? 5

4. Write a short note on importance of sensory training for children with visual impairment. 5

5. Name some agencies and discuss their specific roles in the rehabilitation of persons with visual impairment. 5

PART - B

Attempt **any four** questions from **Part-B**. Question No. **11** is **compulsory**. Each question carries **15** marks.

6. What are the educational problems of deaf-blind children ? How can the schools create conducive environment for learning of deaf-blind children ? **15**

7. Discuss role of family in the education of children with visual impairment. **15**

8. How use of Information and Communication Technology can benefit visually impaired learners in their education ? Discuss with the help of relevant examples. **15**

9. Suggest some curricular and co-curricular activities in which visually impaired learners can fully participate and learn effectively. **15**

10. How important is the training in orientation and mobility skills for children with visual impairment ? Explain various techniques for orientation and mobility skills. **15**

11. Discuss need for training of pre-service and in-service general teachers for inclusive classrooms having children with visual impairment. **15**

OR

"There is need to prepare schools for inclusion of children with visual impairment". What type of facilities and provisions are needed for them in inclusive classroom ? Discuss.

एम.एड. विशेष शिक्षा-दृष्टिबाधिता
(एम.ई.डी.एस.ई.वी.आई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

एम.एम.डी.ई.-072 : दृष्टिबाधित बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं शिक्षण प्रणालियाँ

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *भाग - 'अ' तथा भाग - 'ब' अनिवार्य हैं।*

भाग - अ

निम्न में से **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. दृष्टि बाधित बच्चों के शिक्षक होने के नाते आप किस प्रकार कुशल एवं अकुशल ब्रेल पाठक में भेद स्थापित करेंगे? 5

2. समुदाय किस प्रकार से दृष्टि-बाधित व्यक्तियों के पुनर्वास में सहायता कर सकता है? 5

3. मार्गदर्शन एवं परामर्श में क्या अन्तर है? ये दृष्टि-बाधित व्यक्तियों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण हैं? 5

4. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए संवेदीय प्रशिक्षण के महत्त्व पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

5. कुछ ऐसी संस्थाओं के नाम लिखिए तथा दृष्टिबाधित व्यक्तियों के पुनर्वास में उनकी विशिष्ट भूमिका पर चर्चा कीजिए। 5

भाग - ब

भाग-ब में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 11 **अनिवार्य** है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

6. बधिरांध बच्चों की शैक्षिक समस्याएँ क्या हैं? विद्यालय किस प्रकार से बधिरांध बच्चों के अधिगम हेतु सहायक वातावरण बना सकते हैं? 15

7. दृष्टि-बाधित बच्चों की शिक्षा में परिवार की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 15

8. सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का प्रयोग किस प्रकार से दृष्टि बाधित अधिगमकर्ताओं को उनकी शिक्षा में सहायता कर सकता है? उचित उदाहरणों की सहायता से चर्चा कीजिए। 15

9. कुछ पाठ्यचर्यी एवं सह-पाठ्यचर्यी गतिविधियों के सुझाव दीजिए जिनमें दृष्टि-बाधित अधिगमकर्ता पूरी तरह से भागीदारी कर सकते हैं तथा प्रभावशाली ढंग से सीख सकते हैं। 15

10. दृष्टिबाधित बच्चों के लिए अनुस्थिति एवं चलनशीलता के कौशल में प्रशिक्षण कितना महत्त्वपूर्ण है? अनुस्थिति एवं चलनशीलता कौशलों की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए। 15

11. सामान्य शिक्षकों को समेकित कक्षाओं जिनमें दृष्टिबाधित बच्चे हों हेतु पूर्व सेवा एवं सेवा दौरान प्रशिक्षण की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। 15

अथवा

"विद्यालयों को दृष्टि-बाधित बच्चों के समावेश हेतु तैयारी की आवश्यकता है" उन्हें समेकित कक्षाओं के लिए किस प्रकार की सुविधाएँ एवं प्रावधान जुटाने होंगे? चर्चा कीजिए।